संपादकीय

ताइवान की चिंता

ताइवान जैसी ही चिंता यूरोपियन यूनियन में भी है। दोनों जगहों पर यह सवाल पूछा जा रहा है कि उनकी इंडस्ट्री को अपने यहां ले जाकर अमेरिका आखिर ये कैसी दोस्ती निभा रहा है?

अमेरिका ने ताइवान की सबसे कीमती कंपनी को अपने यहां ले जाने की जो प्रक्रिया शुरू की है, उसको लेकर ताइवान में चिंता गहराना लाजिमी है। दरअसल, ऐसी ही चिंता यूरोपियन यूनियन में भी है, जहां की कंपनियों को अमेरिका अपने यहां ले जाने में लगा है। अमेरिका ने इसके लिए जो सब्सिडी घोषित की है, उसका मुकाबला करना यूरोपीय देशों के लिए मुश्किल हो रहा है। तो वहां यह सवाल पूछा जा रहा है कि अमेरिका आखिर ये कैसी दोस्ती निभा रहा है? यही सवाल ताइवान में भी उठा है। सेमीकंडक्टर क्षेत्र की दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी टीएसएमसी का प्लांट अमेरिका में लगवाने की जो बाइडेन प्रशासन की नीति से वहां नाराजगी फैली है। इसको लेकर वहां की संसद में बहस हो चुकी है। टीएसएमसी ने बीते हफ्ते अमेरिका के एरिजोना में 40 बिलियन डॉलर की लागत से बनने वाले अपने संयंत्र का शिलान्यास किया। इस मौके पर खुद अमेरिका राष्ट्रपति बाइडेन उपस्थित हुए। इस घटनाक्रम से ताइवान के राजनीतिक और कारोबारी हलकों में ये संदेह गहराया है कि अमेरिका ताइवान की सबसे मूल्यवान कंपनी को अपने यहां शिफ्ट कराने की कोशिश में है। इसके अलावा वह टीएसएमसी को जापान और यूरोप में भी संयंत्र लगाने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है।

ताइवान में सवाल उठा है कि क्या अमेरिका ने मान लिया है कि देर-सबेर चीन ताइवान पर कब्जा कर लेगा? क्या इसलिए वह उससे पहले ही आज के दौर में सबसे महत्त्वपूर्ण मानी जा रही इंडस्ट्री को ताइवान से निकाल लेना चाहता है? टीएसएमसी सबसे उन्नत किस्म के चिप का उत्पादन करती है। उसके चिप का इस्तेमाल एपलसे लेकर क्वैलकॉम जैसी बड़ी कंपनियां करती हैं। इसलिए ताइवान में टीएसएमसी को राष्ट्रीय धरोहर माना जाता है। ताइवान में यह धारणा रही है कि टीएसएमसी का आज दुनिया की अर्थव्यवस्था में इतना महत्त्व है कि उसके रहते दुनिया ताइवान पर चीन का कब्जा नहीं होने देगी। अमेरिका सहित तमाम देश इस कंपनी को बचाने के मकसद से भी ताइवान की रक्षा में खड़े होंगे। इसीलिए इसे ताइवान में 'सिलिकॉन शील्ड' कहा जाता है। लेकिन ताइवान के लोगों को उचित ही यह लग रहा है कि वह कवच उनसे छीना जा रहा है।

पीएलआई योजनाओं में निवेश उम्मीद से ऊंचा : जर्दोश

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री दर्शना जर्दोश ने कहा कि विनिर्माण क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना ने संबंधित क्षेत्रों में बड़ी संख्या में निवेश-प्रस्ताव आकर्षित किए हैं और मैन-मेड-फाइबर एवं तकनीकी टेक्टसटाइल्स भी इस मामले में अग्रणी क्षेत्र है।

श्रीमती जर्दोश ने बताया कि सरकार वस्त्र क्षेत्र में एक और पीएलआई योजना लाने का विचार कर रही है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार विभिन्न राज्यों के साथ मिल कर खास कर तकनीकी टेक्सटाइल्स विनिर्माण को प्रोत्साहित करने में लगी है। उन्होंने कहा कि टेक्निकल टेक्सटाइल्स के अनुप्रयोगों से सडक़ निर्माण, कृषि और अन्य क्षेत्रों को लाभ होगा।

उन्होंने कहा कि देश में जी-20 की जगह-जगह होने वाली बैठकों से भारत के हैंडलूम और हस्तशिल्प उद्योग को विश्वस्तर पर बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इन बैठकों में भारतीय हस्तशिल्प को प्रदर्शित करने की विशेष तैयारी है।

श्रीमती जर्दोश ने कहा, आजादी के अमृतकाल में प्रधानमंत्री ने मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा देने तथा विनिर्माण क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने का आह्वान किया है। इसके लिए 14 क्षेत्रों में पूंजी तथा उन्नत तकनीक को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जो उत्पादन आधारित निवेश (पीएलआई) योजना शुरू की गयी है उनके अंतर्गत इन क्षेत्रों में अब तक 717 आवेदन स्वीकृत किए गए हैं।'

उन्होंने कहा कि 'बल्क ड्रग्स, मेडिकल उपकरण, दूरसंचार , ह्वाइट गुड्स (बिजली के घरेलू उकरण), खाद्य प्रसंस्कण , सोलर वीपी सेट तथा मैन मेड फाइबर एवं तकनीकी वस्त्र जैसे क्षेत्र में एमएसएमई (लघु और मझोले उद्यम क्षेत्र) के निवेशकों की भागीदारी अच्छी रही है और इन क्षेत्र में पीएलआई योजना के 100 से अधिक लाभार्थी एमएसएमई क्षेत्र के हैं।

श्रीमती जर्दोश ने कपड़ा पीएलआई के तहत निवेश के आंकड़े अलग से देने के बजाय कहा कि इस योजना के तहत वर्ष 2021-22 में हुआ वास्तविक निवेश अनुमान से अधिक (106 प्रतिशत) रहा है। रेल एवं कपड़ा राज्य मंत्री ने इस योजना का क्रियान्वन कर रहे मंत्रालयों की ताजा रिपोर्टों के हवाले से बताया, इस योजना के तहत लगभग 47 हजार करोड़ रुपये (5.6 अरब डालर) का वास्तविक निवेश हुआ है। उन्होंने कहा कि इस योजना के अंतर्गत 3.75 लाख करोड़ रुपये (लगभग 45 अरब डलार) के उत्पादों का विनिर्माण और बिक्री की गयी है तथा देश में 2.5 लाख रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं।

उन्होंने कहा कि जिन 14 क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजना लाई गयी है उनमें विद्युत वाहनों के लिए उन्नत रसायनों वाली बैटरी, ड्रोन, मोबाइल और विशेष इस्पाता जैसे क्षेत्र भी शामिल हैं। तकनीकी टेक्सटाइल्स के आयात पर देश की निर्भरता कम करने के श्रीमती जर्दोश ने एक सवाल के जवाब में कहा कि तकनीकी टेक्सटाइल्स का सडक़ निर्माण में , कृषि और बागवाली, पूर्वोत्तर जैसे क्षेत्रों में रेल मार्गों पर चट्टानों के खिसने से बचाव तथा घरेलू तथा औद्योगिक क्षेत्र में बड़ा उपयोग है। उन्होंने कहा, हम विभिन्न राज्यों के साथ मिल वहां तकनीकी कपड़ा उद्योग को प्रोत्साहित कर रहे हैं। हमने कुछ समय पहले पूर्वोत्तर में एक सम्मेलन किया था। फरवरी में मुंबई में तकनीकी टेक्सटाइल्स पर एक सम्मेलन आयोजित करने जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मुंबई के सम्मेलन में विदेशी क्रेताओं को भी आमंत्रित करने का विचार है।

श्रीमती जर्दोश ने कहा, सडक़ निर्माण में टेक्निकल टेक्सटाइल्स के प्रयोग से सडक़ें लम्बे समय तक मजबूत बनी रहती हैं। रेलवे मार्गों को प्रकृतिक आपदा के समय संरक्षित रखने में इसका उपयोग है। किसानों के लिए जाल आदि के विनिर्माण, स्पोर्ट्स वेयर आदि कई क्षेत्रों में इसके उपयोग की पहचान की है। इस क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को हम बढ़ावा दे रहे हैं।''

उन्होंने बताया कि टेक्निकल टेक्सटाइल्स के क्षेत्र में सौ से अधिक स्टार्टअप इकाइयां आगे आयी हैं। उन्होंने बैंक से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में विनिर्माताओं और उपयोगकर्ताओं की एक बैठक हाल में आयोजित की गयी थी। उन्होंने कहा कि ' मैन-मेड-फाइबर उद्योग को सस्ते आयात से बचान के लिए हमने डंपिग रोधी शुल्क लगाए है। इससे घरेलू उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा तथा तकनीकी टेक्सटाइल उद्योग भी प्रोत्साहित होगा।'

पीएलआई में हम ऐसे मूल्य वर्धित उत्पादों पर भी काम कर रहे हैं जिनकी निर्यात की संभावना अधिक है। भारत में पीपी किट, होम फर्निशिंग, सेना के कपड़े, कारपेट और बलून आदि बनाने में में काम आने वाले टेक्निकल कपड़ों के विनिर्माण के लिए हमने प्रोत्साहन दिया है।

उन्होंने कहा , कपड़ा क्षेत्र देश में बड़ी संख्या में रोजगार देने वाले कपड़ा क्षेत्र को प्रोत्साहन देने के लिए नयी पहल कर रही है। रेश उद्योग को बढ़ावा देने के लिए कोकून की खेती का विस्तार करना चाहती है। इससे हम इस क्षेत्र में जापान के बाद हम सबसे बड़े निर्यातक बन सकते हैं।' हमने पूर्वोत्तर, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड सरकार से रेशम-कीट पालन परियोजनाओं के प्रोत्साहन के संबंध में बात की है।'

उन्होंने कहा कि रेशम कीट पालन में कर्नाटक में चार से पांच फसल ली जा रही है। दूसरे राज्यों में इस तरह का लाभ उठाया जा सकता है। फैब्रिक में रेशम, जूट और पश्मीना को भी हम प्रोत्साहन दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि टेक्सटाइल में हम जीआई टैग (क्षेत्र विशेष के वस्त्र की विशिष्ट पहचान) दे रहे हैं इसका संबंधित क्षेत्र के कपड़ा उद्योग को अंतरराष्ट्रीय बाजार में फायदा मिलेगा।

रुपया एक पैसे सुधरा

मुंबई । आयातकों और बैंकरों की बिकवाली की बदौलत आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया एक पैसे सुधरकर 82.75 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया।

वहीं, पिछले कारोबारी दिवस रुपया 27 पैसे की गिरावट लेकर 82.76 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया था।

शुरुआती कारोबार में रुपया आठ पैस गिरकर 82.84 रुपये प्रति डॉलर खुला। सत्र के दौरान लिवाली के दबाव में यह 82.89 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढक़ गया। वहीं, बिकवाली से समर्थन पाकर 82.73 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर भी रहा। अंत में पछले दिवस के 82.84 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में एक पैसे सुधरकर 82.75 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया।

बुनकरों, बुनकर परिवारों की मदद कर रही है सरकार : सीतारमण

नई दिल्ली । कपड़ा मंत्रालय बुनकरों को उनके उत्पाद की विशिष्ट भौगोलिक पहचान संबंधी जीआई टैग और उन्हें मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) शामिल करने की दिशा में काम कर रहा है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को यहां एक कार्यक्रम में कहा कि यह बात एक मजबूत संदेश देती है कि केंद्र सरकार हमारे बुनकरों और उनके परिवारों का समर्थन कर रही है।

श्रीमती सीतारमण राजधानी में विशेष बुनाई-आधारित हथकरघा साड़ी महोत्सव 'माई साड़ी माई प्राइड' का उद्घाटन कर रही थीं। यह आयोजन आजादी के अमृतमहोत्सव कार्यक्रम का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि कपड़ा मंत्रालय ने देश के बुनकरों और भारत की परंपरा को प्रदर्शित करने वाले मध्य दिल्ली में इस तरह का आयोजन कर अनूठा कदम उठाया है। मंत्रालय ने हाथ से बुनी 75 साडिय़ां मंगवाई हैं, जिन्हें यहां प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया गया है।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014-2015 में पांच एफ का विजन दिया, फार्म से फाइबर, फैब्रिक से फैशन और विदेश तक। यह विजन कपड़ा मंत्रालय का एक प्रमुख उद्देश्य बन गया है जिसके तहत इस प्रदर्शनी का आयोजन किया जाता है और बुनकरों को उनके काम को प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। स्वतंत्रता के 75 वर्षों के अवसर पर 'आजादी का अमृत महोत्सव' में 16 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 75 हथकरघा बुनकरों द्वारा हथकरघा साडिय़ों की प्रदर्शनी-सह-बिक्री की जाएगी। यह उत्सव राजधानी में हथकरघा हाट में 16 से 30 दिसंबर 2022 और 3 जनवरी से 17 जनवरी 2023 तक दो चरणों में आयोजित किया जा रहा है। कपड़ा मंत्रालय ने कहा है कि भारत का हथकरघा क्षेत्र 35 लाख से अधिक लोगों को रोजगार देता है। हथकरघा साड़ी बुनाई की कला में पारंपरिक मूल्य जुड़े हुए हैं और प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्ट साडिय़ों की बुनाई होती हैं।

नितिन गडकरी का ऐलान, 2024 तक अमेरिकी सड़कों की तरह दिखेंगी भारतीय सड़कें

नई दिल्ली । केंद्रीय सडक़ परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि रसद लागत, जो वर्तमान में सकल घरेलू उत्पाद का 16 प्रतिशत है, 2024 तक एकल अंकों में गिर जाएगी। मंत्री ने आगे कहा कि 2024 समाप्त होने से पहले, भारत की सडक़ संरचना अमेरिकी सडक़ों की संरचना जैसी होगी। मंत्री फिक्की के वार्षिक सम्मेलन और 95वें एजीएम को संबोधित कर रहे थे।

यह कहते हुए कि अब हमारे व्यापार और अंतरराष्ट्रीय बाजार में उपस्थिति बढ़ाने का समय है। मंत्री ने कहा, यह हमें और अधिक निर्यात प्राप्त करने में मदद करने जा रहा है। गडकरी ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है और 2024-25 तक 5 ट्रिलियन डॉलर जीडीपी हासिल करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भारत सतत विकास हासिल करने के लिए निवेश, आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा देकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण का पालन करते हुए एक समावेशी भारत के निर्माण की राह पर है। उन्होंने कहा, हालांकि, हमें सभी हितधारकों के बीच सहयोग, समन्वय और संचार की आवश्यकता है।

इसके अलावा, गडकरी ने बैटरी केमिस्ट्री में शोध का उल्लेख किया और कहा, हमें इस क्षेत्र में अग्रणी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य ऑटोमोबाइल क्षेत्र को दोगुना कर 15 लाख करोड़ रुपये करना है। यह नई नौकरियां पैदा करेगा और भारत को दुनिया के सबसे बड़े ऑटोमोबाइल निर्माताओं में से एक बना देगा। इसके अलावा, निर्माण क्षेत्र में स्थिरता के महत्व को रेखांकित करते हुए, उन्होंने कहा, हम फ्लाई ऐश, तेल स्लैग, वेस्ट प्लास्टिक जैसे विकल्पों को अपनाकर निर्माण कार्य में सीमेंट और स्टील के उपयोग को कम करने की कोशिश कर रहे हैं।

मंत्री गडकरी ने फिक्की को सभी क्षेत्रों के लिए अगले पचास वर्षों के लिए एक व्यापक विकास योजना तैयार करने के लिए आमंत्रित किया।

रणबीर-श्रद्धा की फिल्म को मिला तू झूठी मैं मक्कार नाम, रिलीज डेट भी जारी

रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर की आने वाली फिल्म की चर्चा पिछले काफी समय से हो रही है। फिल्म इसलिए भी सुर्खियों में है, क्योंकि इसके जरिए पहली बार पर्दे पर रणबीर और श्रद्धा की जोड़ी देखने को मिलेगी। निर्देशक लव रंजन ने रणबीर-श्रद्धा को लेकर फिल्म की घोषणा तो काफी पहले कर ली थी, लेकिन इसका नाम सामने नहीं आया था। अब फिल्म के नाम का ऐलान भी हो गया है।

रणबीर और श्रद्धा अभिनीत इस फिल्म का नाम तू झूठी मैं मक्कार है। श्रद्धा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का टीजर शेयर कर लिखा, आखिरकार हमारी इस फिल्म का नाम तय हो गया। फिल्म अगले साल होली के मौके पर यानी 8 मार्च को दर्शकों के बीच आएगी। यह एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है, जिसमें श्रद्धा के किरदार का नाम झूठी तो रणबीर के किरदार का नाम मक्कार होगा। टीजर में श्रद्धा और रणबीर की खूबसूरत केमिस्ट्री देखते ही बनती है।

बीते दिन निर्माताओं ने फिल्म के नाम को लेकर सोशल मीडिया पर प्रशंसकों से सवाल पूछा था। एक पोस्टर शेयर किया गया था, जिस पर लिखा टीजेएमएम था। निर्माताओं ने फैंस से मूवी के टाइटल का अंदाजा लगाने को कहा था। इस पर आलिया भट्ट ने लिखा था, टिंगल जिंगल मिंगल मिंगल? बता दें कि फिल्म के नाम को लोगों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। लोग कह रहे हैं कि इसके जरिए उन्हें कुछ नया देखने को मिलेगा।

नागिन 7 में प्रियंका चाहर की जगह ले सकती हैं सुंबुल तौकीर

नागिन का सातवां सीजन भी खूब चर्चा में है। पहले खबर थी कि शो की निर्माता एकता कपूर ने नागिन 7 के लिए प्रियंका चाहर चौधरी से संपर्क किया है, लेकिन अब चर्चा है कि प्रियंका की इससे छुट्टी हो गई है और उनकी जगह इसमें सुंबुल तौकीर ले सकती हैं। दरअसल, बिग बॉस 16 में सुंबुल की बढ़ती लोकप्रियता के कारण अब नागिन में प्रियंका की जगह उन्हें लिया जा सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माताओं और सुंबुल की टीम के बीच बातचीत शुरू हो गई है और अब बिग बॉस 16 के खत्म होने का इंतजार है। सुंबुल ने शो में यह साबित कर दिया है कि वह मासूम जरूर हैं, लेकिन वह किसी से डरती नहीं हैं और हर परिस्थिति का डटकर सामना करती हैं।

फीफा 2022 विश्व कप फाइनल

विश्वकप फाइनल से पहले फ्रांस की टीम में फ्लू फैला

दोहा। अर्जेंटीना के खिलाफ फीफा 2022 विश्व कप फाइनल से पहले फ्रांस की टीम में वायरस का प्रकोप जारी है। फॉरवर्ड खिलाड़ी रैडल कोलो मुआनी ने कहा यह जानकारी दी। टीम के मैनेजर डिडिएर डेसचैम्प्स ने पहले खुलासा किया था कि दो खिलाड़ी - डिफेंडर दयोट उपामेकानो और मिडफील्डर एड्रियन रैबियोट को फ्लू जैसे लक्षणों के कारण टीम से अलग होना पड़ा और वह मोरक्को के खिलाफ नहीं खेल पाये। फ्रांस ने इस सेमीफाइनल मैच को 2-0 से जीत लिया था।

मुआनी ने शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, थोड़ा सा फ्लू है जो फैल रहा है लेकिन इसमे घातक कुछ नहीं है। इस पर इस फ्रैंकफर्ट खिलाड़ी को एक संचार प्रवक्ता ने जल्दी से रोक दिया और कहा, रैंडल एक डॉक्टर नहीं है, हम आपको बाद में समझाएंगे। डेसचैम्प्स ने स्वीकार किया है कि उनके खिलाड़ी काम के भारी बोझ और ठंडे मौसम से प्रभावित हो सकते हैं। लेकिन वह इस बात पर कायम रहे कि प्रभावित खिलाड़ी लुसैल स्टेडियम में रविवार को होने वाले मैच से वंचित होने का खतरा नहीं है। हाल के दिनों में क़तर में तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के शुरुआती दिनों में दैनिक अधिकतम तापमान की तुलना में काफी गिर गया है।

आज का राशिफल

मेष : आज का दिन आपके लिए आनंददायक रहेगा। आज प्रत्येक क्षेत्र में विरोधी परास्त होंगे। सामाजिक मान-सम्मान बढेगा। व्यापार विस्तार अथवा नए कार्य का आरंभ समय अनुकूल रहने पर भी आज ना करें।

वृष : आज का दिन आपके लिए आनंददायक रहेगा। आज दिन भर शारीरिक रूप से चुस्त बने रहेंगे। कार्य क्षेत्र पर आपके कार्यों की प्रशंसा होगी। सरकारी कार्यों में सफलता मिलेगी सामाजिक मान-सम्मान मिलेगा।

मिथुन : आपका आज के दिन का अधिकांश समय आराम से व्यतीत होगा। सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में योगदान देने से यश एवं सम्मान की प्राप्ति होगी। आप अपने पराक्रम से बिगड़े कार्यों को बना लेंगे प्रतिस्पर्धी नतमस्तक होंगे।

कर्क : आपका आज का दिन सामान्य रहेगा फिर भी सेहत की अनदेखी न करें। पेट सम्बंधित समस्या बड़ा रूप ना ले इसका ध्यान रखे। कार्य क्षेत्र पर अधिकांश समय उबन में बीतेगा।

सिंह : आपका आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। व्यवसाय नौकरी में मनचाही उन्नति मिलने से दिन भर प्रसन्न रहेंगे। आज आपके विचारो से सभी प्रभावित रहेंगे। दलाली के व्यवसाय में निवेश से विशेष लाभ की सम्भवना है।

कन्या : आज के दिन आप ज्यादा मेहनत करने के मूड में नहीं रहेंगे परन्तु पुराने कार्यो अथवा कार्य क्षेत्र पर व्यवस्था बनाने में काफी परिश्रम करना पड़ेगा। मन में यात्रा के विचार दुविधा में डालेंगे।

तुला : आपका आज का दिन सामान्यत: शुभ ही रहेगा। सेहत छोटी मोटी तकलीफों को छोड़ अनुकूल बनी रहेगी। अधिकारियो के आपके प्रति विश्वास एवं लक्ष्य के प्रति दृढ इच्छाशक्ति से कार्य करने पर मनचाही सफलता मिल सकती है।

वृश्चिक : आपका आज का दिन मिलाजुला फलदायी रहेगा। आलस्य एवं शिथिलता के कारण कार्य के प्रति उत्साह नहीं रहेगा। किसी अरिष्ट की चिंता सताएगी। शेयर सट्टे में भारी हानि के योग है अनुभवी की सलाह लेकर ही निवेश करें।

धनु : आज का दिन आपके अनुकूल बीतेगा। प्रात: काल से ही हर परिस्थिति पर आपकी पकड़ रहेगी। बड़ो के मार्गदर्शन से व्यवसाय एवं पैतृक सम्बंधित लगभग सभी समस्याओं का समाधान होने से आय के नविन स्त्रोत्र बनेंगे।

मकर : आज के दिन आपको प्रारब्ध अनुसार जितना मिले उसी में संतोष कर लेंगे। परन्तु फिर भी अंदरूनी तौर पर मन में कुछ ना कुछ कमी बनी रहेगी। कुंवारे जातको को योग्य जीवन साथी मिलने की सम्भवना रहेगी।

कुंभ : आपका आज का दिन शुभ रहेगा। आज कार्य क्षेत्र पर अनुकूल वातावरण मिलने से उत्साह में वृद्धि होगी। सहकर्मियों एवं अधिकारियो का अपेक्षित व्यवहार मिलने से आशानुकूल लाभ अर्जित करेंगे।

मीन : आज के दिन क्रोध अथवा अहम् की भावना बने बनाये कार्यो पर पानी फेर सकती है इसलिए ख़ास कर व्यावसायिक एव सामाजिक क्षेत्र पर विवेक पूर्ण व्यवहार रखे। कार्यो में प्रारंभिक विलम्ब या असफलता से घबराए नहीं प्रयास जारी रखें सफलता अवश्य मिलेगी।

आसान रेसिपी से बनाएं कढ़ाई भिंडी

कढाई भिंडी बहुत ही स्वादिष्ट होती है। अगर आप इसे झटपट बनाना चाहते हैं, तो ये रेसिपी आजमाएं।

सामग्री :

500 ग्राम भिंडी, 2-3 प्याज कटे हुए, 1 टमाटर, 1 टी स्पून अदरक-लहसुन का पेस्ट, 1 टी स्पून हल्दी पाउडर, 1 टी स्पून धनिया पाउडर, 1 टी स्पून लाल मिर्च पाउडर, स्वादानुसार नमक, 2 बड़े चम्मच तेल

विधि :

- सबसे पहले भिंडी को धोकर काट लें।
- अब एक कढ़ाई में तेल गरम करें, इसमें भिंडी को डीप फ्राई कर लें।
- फिर तेल में जीरा और कटा हुआ प्याज डालकर भूनें।
- अब कटे हुए टमाटर और अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर अच्छी तरह मिला लें।
- इसमें मसाले डालें और फिर से मिलाएं।
-नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं।
- मसाला भून लें, फिर फ्राई भिन्डी मिलाएं।
- इसे 2-3 मिनट के लिए ढक दें।
- तैयार है कढ़ाई भिंडी।

शब्द सामर्थ्य- 284

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झुला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

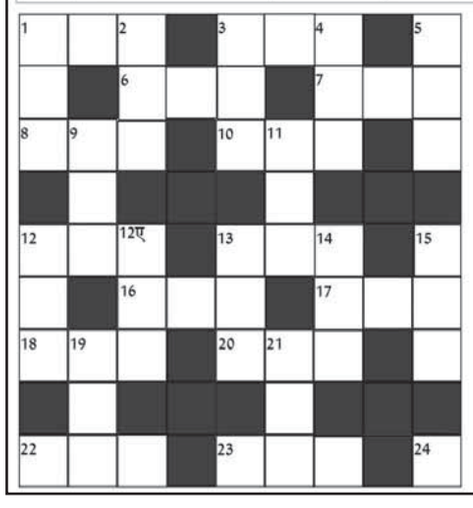

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 283 का हल

प	सं	द	■	सिं	हा	स	न	■
ख	■	म	ज	दू	र	■	का	म
वा	द	क	■	र	■	सं	ब	ल
ड़	■	ल	ज्जा	■	म	स्का	■	य
■	बा	■	■	बि	हा	र	■	■
सु	धा	क	र	■	न	■	■	औ
रं	■	म	■	कि	ता	ब	■	स
ग	■	अ	र	सा	■	हु	ज्ज	त
■	श	क्ल	■	न	मि	त	■	न

सू-दोकू- 284

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.283 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5	4	6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6